बिहार विधान सभा वादवृत्त।

मंगलवार, तिथि १७ अप्रैल, १९५१।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में मंगलवार, तिथि १७ अप्रैल, १९५१ को पूर्वाह्न ११ बजे माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्मा के सभापतित्व में हुआ।

तारांकित प्रश्नोत्तर
STARRED QUESTIONS AND ANSWERS.

बिहार राज्य में पाइप का वितरण।

†*९०३। श्री गौरी शंकर डालमिया—क्या माननीय मंत्री, विकास विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) जनवरी, १९५० से दिसम्बर, १९५० तक कितनी फुट पाइपें यूनियन सरकार से इस स्टेट में वितरण के लिये मिलीं, तथा १ जनवरी, १९५० के पहले कितनी मिलीं और कितनी फुट पाइपें वितरण के लिए बाकी रह गईं;

(ख) जनवरी, १९५० से दिसम्बर, १९५० तक इस स्टेट द्वारा कितनी फुट पाइपों का वितरण किया गया तथा १ जनवरी, १९५१ को इस स्टेट के पास कितनी फुट पाइपें वितरण के लिए बच गई?

श्री वीरचंद्र पटेल—(क) १९५० के पहले पीरिएड का और दूसरे पीरिएड के कुछ हिस्से के कागजात नहीं हैं। इसलिए उसका जवाब नहीं दिया जा सकता। जहां तक १९५० के दूसरे, तीसरे और चौथे पीरिएड्स का सवाल है, यह एलौटमेंट क्रमशः इस प्रकार हुआ है:—

१,२९,८०० फीट
२,३०,००० फीट
५०,००० फीट

इस पीरिएड के डिस्ट्रिब्युशन का हिसाब साफ इस लिए नहीं दिया जा सकता कि बहुत से कागजात, पाइप केस मुत्तल्लिक, जो केस हुआ उसमें जैसा सरकार की तरफ से बतलाया गया है गायब हो गए।

---

†*माननीय सदस्य की अनुपस्थिति में श्री अर्जुन प्रसाद मिश्र के अनुरोध से उत्तर दिया गया।

कुरहनी थाने में वर्षा के पूर्व काम शुरू होने वाली योजनाएं।

*९६८। श्री शिवनन्दन राम—क्या माननीय मंत्री, सिंचाई विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) मुजफ्फरपुर जिलान्तर्गत कुरहनी थाने में सिंचाई की कितनी योजनाएं कार्यान्वित की गई हैं;

(ख) १९५१-५२ में कितनी योजनाएं लक्ष्य के रूप में स्वीकृत हुई हैं तथा उन योजनाओं की रूप-रेखा क्या है;

(ग) आगामी बरसात के पूर्व कितनी योजनाओं पर काम शुरू करने का निश्चय हुआ है;

(घ) इन योजनाओं से कितने एकड़ जमीन की सिंचाई होने की संभावना है;

(ङ) क्या सरकार कुरहनी थाने में स्वीकृत योजनाओं का विस्तृत विवरण सभा की मेज पर रखने की कृपा करेगी?

माननीय श्री रामचरित्र सिंह—(क) सिंचाई विभाग द्वारा कुरहनी थाना में कोई सिंचाई की योजना कार्यान्वित नहीं की गई है।

(ख), (ग), (घ) और (ङ) प्रश्न नहीं उठता है।

मैं बता देना चाहता हूं कि कुरहनी थाना में एक छोटा सा नाला चँवर से पानी निकालने को था। लेकिन वहां के ए० डी० एम० जो किसी वक्त हमारे यहां के अन्डर-सेक्रेटरी थे उन्होंने लिखा कि चँवर से आसानी से पानी निकाल देंगे।

GUMANI RIVER PROJECT.

*969. **Shri TARANAND SINGH:** Will the Hon'ble Minister in charge of Irrigation be pleaced to state—

(*a*) whether it is a fact that the Gumani Embankment Project in River Gumani at Siba Pahar in Raj Mahal area (Khas Mahal) has not been taken up in spite of its approval by the Government about three years back, if so, the reasons for the delay in its execution;

(*b*) whether it is a fact that due to non-execution of this project over 60 square miles of area are inundated every year;

(*c*) if the answers to (*a*) and (*b*) be in the affirmative, whether the Government propose to take up this work before the coming rains, if not, the reasons for it?

The Hon'ble Shri RAMCHARITRA SINGH : (*a*) Government had approved the investigation of this project three years ago and a survey estimate amounting to Rs. 2,500 had also been sanctioned. The survey works and collection of necessary date are now nearing completion and the full project report is awaited from the Executive Engineer. There has been no avoidable delay in the execution of the scheme as detailed surveys and collection of data spread over atleast two seasons were necessary.

(*b*) Preliminary report shows that the area inundated is 37 sq. miles in Bihar and 33 sq. miles in Bengal. Nothing definite can, however be said unless the investigations are complete and the full report has been placed before Government.

(*c*) As the report has not yet been received from the local officers and when received, it will have to be checked by the Superintending Engineer and the Chief Engineer, it is not likely that the work would be taken before the coming rains.

मुंगेर जिले में सलारपुर से थाना परवत्ता तक बांध का निर्माण ।

*९७० । श्री गौरी शंकर डालमिया—क्या माननीय मंत्री, सिंचाई विभाग यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि मुंगेर जिले में सलारपुर से लगायत थाना परवत्ता तक एक डाम सिंचाई विभाग द्वारा बन रही है ;

(ख) क्या यह बात सही है कि उस डाम के लाइन में ग्राम चलपरियाग के कुछ घरों को भी नाप लिया गया है ;

(ग) क्या यह बात सही है कि आधे ग्राम में डाम की लाइन सीधी नापी गयी है और बाद में टेढ़ी ;

(घ) क्या यह बात सही है कि ग्राम निवासियों ने उपरोक्त आशय की दरख्वास्त ता० १४ फरवरी १९५१ को प्रभारी मंत्री महोदय के पास दी है, यदि उत्तर स्वीकारात्मक है, तो उस पर कोई कार्रवाई हुई है या नहीं, यदि नहीं, तो क्यों ?

माननीय श्री रामचरित्र सिंह—(क) मुंगेर जिले में गोगरी-नारायणपुर बांध बन रहा है । यह बांध सलारपुर गांव होकर जाता है ।

(ख) बांध की पुरानी लाइन जो थी वह गंगा और मरगंगा से बहुत सटी हुई थी और इसलिये वह लाइन खतरनाक थी । दूसरी लाइन के रास्ते में कुछ झोपड़ियां आ गई हैं लेकिन सुना जाता है कि उनके मालिक ने झोपड़ों को हटाने की स्वीकृति दे दी है ।

(ग) यह बात पूर्णतः सही नहीं है । बांध की लाइन इस हिसाब से रखी गयी है जिससे अधिक से अधिक जमीन बांध के भीतर पड़े और बांध मजबूत भी हो ।